कलेक्टर ने टीएल बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 अक्टूबर। कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर सभी अधिकारियों को त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण तरीके से शिकायत निराकृत करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सीएम हेल्पलाइन में एल 1 स्तर पर शिकायत अटेंड न करने वाले 57 अधिकारियों विशेषकर बैंकर्स पर नाराजगी व्यक्त कर कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही नगर परिषद पवई के सीएमओ को भी सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आगामी टीएल बैठक से समस्त अधिकारी वांछित जानकारी के साथ उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्रीमती परमार ने आगामी 23 अक्टूबर को प्रस्तावित समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दृष्टिगत विभागवार चयनित विषयों तथा स्थाई विषय में शामिल 100 दिवस से अधिक समय सीमा की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण पर चर्चा कर कहा कि अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर गंभीरतापूर्वक इन लंबित प्रकरणों का नियत समयावधि में प्रभावी निराकरण करें। संबंधित शिकायतकर्ता से संवाद कर प्रतिदिन के निराकरण की समीक्षा संबंधित जिलाधिकारी द्वारा स्वयं की जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिक सेवाओं के समय पर प्रदाय सहित न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर जवाबदावा प्रस्तुत करने तथा आम जनता से जुड़े सभी मुद्दों का भी त्वरित निराकरण करने के लिए कहा। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत रोजगारमूलक योजनाओं में प्रकरणों की स्वीकृति व वितरण की जानकारी लेकर लक्ष्य मुताबिक हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए निर्देशित किया।

शासकीय कार्यालयों में भी साफ-सफाई पर हो फोकस

कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक शासकीय कार्यालयों में भी 2 से 31 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई गतिविधि संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस क्रम में समस्त कार्यालय प्रमुख नियत समय सीमा में अपने कार्यालय में साफ-सफाई पर फोकस कर अभिलेखों का व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करें। नाम का बोर्ड भी लगवाया जाए और अधीनस्थ कार्यालय एवं कर्मचारियों को भी इसके लिए पाबंद करें।

कलेक्टोरेट परिसर में सौंदर्यीकरण की बनाएं कार्ययोजना

जिला कलेक्टर द्वारा टीएल बैठक में सहायक संचालक उद्यान पी.के. श्रीवास्तव को कलेक्टेªट परिसर में पार्क एवं अन्य स्थानों पर सौंदर्यीकरण की बेहतर कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा उप संचालक पशुपालन एवं नगर पालिका सीएमओ को नियमित रूप से सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गौवंश के गौशाला में विस्थापन तथा हर गौशाला में सीसीटीव्ही कैमरा लगवाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने इस सप्ताह मध्यान्ह भोजन का खाद्यान्न उठाव करने तथा जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित परियोजना के तहत पवई एवं शाहनगर विकासखंड की ग्राम पंचायतों में जल कर की बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा विभागवार सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित कुल 53 पेंशन प्रकरणों के अविलंब निराकरण के उद्देश्य से जिला पेंशन अधिकारी ओ.पी. गुप्ता को इनकी जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा। ई-ऑफिस परियोजना के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसील कार्यालयों में नवीन फाइल जनरेशन एवं मूवमेंट के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस को बढ़ावा दिया जाए।

दक्षिण पन्ना में ड्रोन से जंगलों की निगरानी के दौरान तेंदुआ बना सरप्राइज़ गेस्ट

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा विगत एक माह से वृक्षारोपण कार्यों की निगरानी तकनीक के माध्यम से भी की जा रही है। इसके अंतर्गत वृक्षारोपण स्थलों के रखरखाव एवं उनकी स्थिति का मूल्यांकन ड्रोन कैमरे से किया जा रहा है।

यह पहल वृक्षारोपण की गुणवत्ता बढ़ाने एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।

आज मोहन्द्रा वन परिक्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक रोचक दृश्य सामने आया। जब ड्रोन कैमरा आसमान में उड़ान भर रहा था, तभी नीचे ज़मीन पर एक सुंदर तेंदुआ कैमरे की ओर उत्सुकता से देखने लगा।

स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन कर निकाला पथ संचलन

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 13 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में विजयदशमी के दिन हुई थी, इस बर्ष 100 वर्ष पूर्ण होने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे देश में शताब्दी वर्ष के रूप में मना रहा है, इस दौरान सलेहा में पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री हायर सेकंडरी विद्यालय प्रांगण में किया गया, इसमें स्वयंसेवक और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए, कार्यक्रम का शुभारंभ शस्त्र पूजन के साथ किया गया।

इसके उपरांत मुख्य अतिथि के उद्बोधन, अमृत वचन, एकल गीत के बाद मुख्य वक्ता विजय पटेल जिला सह कार्यवाह के बौद्धिक विचारों से हुआ, उसके बाद पंथ संचलन हायर सेकेंडरी स्कूल से प्रारंभ होकर नया बस स्टैंड, पुराना थाना परिसर, नामदेव मोहल्ला, तिराहा से लक्ष्मीबाई चैराहा होते हुए नया बस स्टैंड परिसर से होकर वापस पीएम श्री हायर सेकंडरी विद्यालय पहुंचा, इस दौरान नगर वासियों एवं व्यापारियों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ रानी लक्ष्मीबाई एवं भारत माता की झांकी बनाई गई।

इस कार्यक्रम में खंड अन्तर्गत निवासरत खंड टोली, उप खंड टोली, मंडल केन्द्र, सहित स्वयंसेवक पंथ संचलन में शामिल हुए।

सलेहा चैमुखनाथ मार्ग जर्जर एक परत उखड़ गया डामर

पन्ना 13 अक्टूबर। पन्ना जिले के सलेहा से नागौद मार्ग खस्ताहाल होने के कारण मिनटों का सफर घंटों में बदल गया है। यही हाल सलेहा के बम्हौर टोला से गंज और चैमुखनाथ मोड़ तक का है। यह सड़क वाहनों के चलने लायक नहीं बची है। पूरे मार्ग का डामर हवा में उड़ गया है। ज्यादा बारिश के कारण पूरा मार्ग उबड़-खाबड़ है। गड्ढों के कारण हादसे बढ़ गए हैं। सड़क में सिर्फ गिट्टी बची है। चैतरफा धूल के गुबार छाए रहते हैं। संबंधित विभाग द्वारा न पैच लगाया जा रहा है न निर्माण किया जा रहा है, जबकि चैमुखनाथ मंदिर जिलेभर की आस्था का केंद्र है। वहां अफसर से लेकर जनप्रतिनिधि अक्सर आते जाते रहते हैं, पर रोड की हालत पर कोई ध्यान नहीं कर रहा। गड्ढों के कारण यात्री बस, ऑटो और कार सवार हिचकोले खाते हुए जाते हैं। कई बार बाइक सवार फिसल कर गिर भी जाते हैं। क्षेत्रीय रहवासियों ने तत्काल सड़क सुधरवाने की मांग की है।

भालू के हमले से हल्की चोट लगने पर दी गई त्वरित सहायता

आदिवासी पर भालू ने हमला कर किया घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। दक्षिण पन्ना वनमंडल के पवई वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट नारदपुर में ग्राम सिंगड़ा निवासी रवेंद्र आदिवासी पिता रामकिशन आदिवासी पर भालू द्वारा हमला किए जाने की घटना सामने आई। हमले में रवेंद्र को मामूली खरोंचें आईं, जिसके बाद उन्हें तत्काल पवई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार कर इंजेक्शन लगाए गए। वनकर्मियों द्वारा घायल व्यक्ति को त्वरित सहायता राशि प्रदान की गई है।

भालू से मुठभेड़ से बचने के उपाय:- ' सुबह या शाम के समय अकेले जंगल में न जाएँ। जंगल में चलते समय बात करते रहें या हल्का शोर करते रहें ताकि जंगली जानवर आपकी उपस्थिति महसूस करें। हवा की दिशा में चलते समय सतर्क रहें और अचानक झाड़ियों में न घुसें।' भोजन या अन्य गंधयुक्त वस्तुएँ जंगल में खुली न छोड़ें। भालू या अन्य जंगली जानवरों के बच्चों के पास न जाएँ; माता भालू बहुत आक्रामक हो सकती है।

भालू से आमना-सामना होने पर क्या करें

यदि किसी व्यक्ति की भालू से अचानक मुठभेड़ हो जाए, तो घबराएँ नहीं और न ही भागें। शांत रहें, धीरे-धीरे पीछे हटें और भालू को रास्ता दें। यदि भालू हमला करे तो सिर और चेहरे की सुरक्षा करें तथा ज़मीन पर झुककर शरीर को गोल करें ताकि गंभीर चोट से बचा जा सके। जैसे ही मौका मिले, तुरंत नजदीकी वन अमले या स्वास्थ्य केंद्र को सूचना दें और चिकित्सीय सहायता प्राप्त करें।

यातायात पुलिस ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों, राह वीर योजना की दी विस्तृत जानकारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चैहान के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात नीलम लक्षकार ने आर.पी. हाई स्कूल पन्ना के छात्र/ छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सड़क किनारे लगने वाले सांकेतिक चिन्हों, रोड साईन (आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक), यातायात पुलिस द्वारा दिए जाने वाले सिग्नल, चैराहो पर लगे इलेक्ट्रानिक सिग्नल व उनके मीनिंग के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी।

साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति एवं कारणों के विषय में बताया गया जिसमें बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढ़ोत्तरी का प्रमुख कारण तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, उचित ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवर लोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार हैं इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना चाहिए ताकि उसकी जान बच सके इसके लिए बच्चों को राह वीर योजना के बारे में भी बताया गया कि पीड़ित व्यक्ति की मदद करने पर शासन द्वारा 25000 रूपये का ईनाम भी दिया जाता है। बच्चों को राइट ऑफ वे के विषय में भी बताया गया। सड़क पर चलते समय हमें पहले आपातकालीन सेवाओ में संलग्न वाहनों जैसे एम्बुलेंस, फायरब्रिगेड को पहले जाने के लिए रास्ता देना चाहिए अगले क्रम में दिव्यांग व्यक्ति, पैदल व्यक्ति साइकिल चालक को पहले निकलने के लिए रास्ता देना चाहिए आदि विषय के साथ साथ एक्सीडेंट के कारण, बचाव हेतु सावधानियाँ, राइट ऑफ वे, इमरजेंसी केयर व साइकिल चलाते समय कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए आदि विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गयी।

अब हर दर्द का इलाज बन रही फीजियोथेरेपी

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। आज के इस दौर मे डॉक्टर के साथ ही फिजियोथेरेपिस्ट की भी भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो गई है। जहां एक ओर नई नई बीमारियां बढ़ रही हैं, तो वहीं दूसरी ओर गलत तरीके से एक्सरसाइज, गलत तरीके से बैठकर या लेटकर मोबाइल, लैपटॉप का इस्तेमाल, सड़कों मे गड्डे आदि से गर्दन, कमर, घुटने में दर्द जैसी दिक्कतें भी बढ़ती जा रही है।

ऐसे में अधिकांश लोग दर्द निवारण के लिए मेडिसिन का इस्तेमाल करते हैं। अगर मरीज को उस दर्द को पूरी तरह से आराम नहीं मिलता तो चिकित्सक मरीज को फिजियोथेरेपी का सहारा लेने के लिए भी कहता है जो उनके इलाज के लिए काफी बेहतर साबित होती है।

इन इलाजों में फीजियोथेरेपी कारगर:- चिकित्सक ने बताया कि पहले फीजियोथेरेपी मुख्यत: घुटना, कमर, कंधों एंव जोडों के दर्द, इनमें रेंज ऑफ मशीन को नार्मल रेंज में पावर के साथ लाने, लकवा, न्यूरोपैथी, पेरीफेरल न्यूरोपैथी, स्पोर्ट्स, इंजरी, महिलाओं में ऑपरेशन के होने वाला दर्द, बच्चों में जीडीडी, सीपी एमआर आदि में प्रयोग किया जाता था। उन्होंने बताया कि आज आधुनिकता के इस दौर में गदर्न दर्द, कमर दर्द या फिर कोहनी का दर्द समान रूप से देखा जा रहा है।

इसकी मुख्य वजह हमारी दैनिक दिनचर्या ही है। इसके अलावा सड़कों के गड्डों मे आ जाने से भी लोगों में मोच आदि कि शिकायतें देखने को मिल रही हैं। इसके चलते तमाम तरफ के दर्द उनको परेशान करने लगते हैं। ऐसे मे इसके इलाज के लिए फिजियोथेरेपी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा अगर सामान्य एक्सरसाइज भी रोजाना कर रहे हैं, तो इससे भी तमाम दर्द की समस्याओं से निदान मिल सकता है।

खोरा में स्थानीयता से स्वावलंबन की ओर वोकल फॉर लोकल पर हुआ राष्ट्रीय वेबिनार

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। शासकीय महाविद्यालय खोरा के तत्वावधान में वोकल फॉर लोकलरू आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक डॉ. आनंद चैरसिया एवं आयोजन सचिव डॉ. नंद कुमार पटेल द्वारा माँ वीणावादिनी के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस वेबिनार की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, सागर संभाग, सागर डॉ. नीरज दुबे रहे है। इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना के प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी रहे। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि स्थानीय उत्पादों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की मूल भावना है। आत्मनिर्भरता का मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब हम 'लोकल को ग्लोबल' बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएँ। स्वागत भाषण देते हुए शासकीय महाविद्यालय खोरा के प्राचार्य डॉ. जे. के. वर्मा ने कहा यह वेबिनार न केवल विचार-विमर्श का मंच है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को व्यवहारिक रूप देने का माध्यम भी है। इसके पश्चात कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आनंद चैरसिया ने विषय प्रवर्तन प्रस्तुत करते हुए कहा 'वोकल फॉर लोकल' भारत के आर्थिक पुनर्जागरण की नींव है। यह स्थानीय उत्पादों, कौशल एवं नवाचार को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर करने की प्रेरणा देता है। यह रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास और नवाचार की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. एस. एस. शुक्ला, डी.बी.एस. पी.जी. कॉलेज, कानपुर (उ.प्र.) ने कहा कि वोकल फॉर लोकल आंदोलन गांधीजी के स्वदेशी विचार की आधुनिक व्याख्या है।

विभागीय संरक्षण में बिजली चोरों की चांदी, होटल, ढाबों व केशर प्लांटों में हो रही मनमानी बिजली चोरी

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। पन्ना जिले के चारों तरफ खुले होटल, ढाबों में खुलेआम बिजली चोरी की जा रही है। होटल ढाबों की यह स्थिति है कि सैंकडों हाई वोल्टेज बल्बों को झालरनुमा रोड किनारे रात्रि में जला दिये जाते हैं यह सब चोरी से जलते हैं किसी होटल, ढाबे एवं क्रेशर प्लांट की निष्पक्ष जांच करा ली जाये तो लाखों की बिजली चोरी पकड़ी जाये लेकिन यह सब विभागीय मिलीभगत से खुलेआम बिजली चोरी की जा रही है।

बिजली कंपनी को चूना लगाने वाले उसके भीतर ही बैठे हुये है। किंतु कर्मचारी एवं अधिकारियों की गतिविधियों पर कोई निगरानी नहीं होती। ऐसे कर्मचारी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तक नहीं होती। यही कारण है कि जब कई ऐसे मामले प्रकाश में आते हैं तो पता चलता है कि विभाग के अंदर से ही गडबडी हो रही थी।

अस्थायी कनेक्शन के नाम पर भी चल रहे कई मामले:- किसी भी उपभोक्ता को अस्थायी कनेक्शन तात्कालिक आवश्यकता के अनुसार जारी किया जाता है जिसकी एक निर्धारित समय सीमा होती है। उस सीमा के बाद वह कनेक्शन समाप्त हो जाना चाहिए। किंतु यहां देखा जा रहा है कि कई ऐसे अस्थायी कनेक्शन अभी भी चल रहे हैं जो कई वर्ष पहले लिये गये थे। उन कनेक्शनों के नाम पर जीरो बिल जारी हो रहे हैं। किंतु यह पता नहीं है कि कहीं उस कनेक्शनों के नाम पर जीरों बिल जारी हो रहे हैं। किंतु यह पता नहीं है कि कहीं उन कनेक्शनों के नाम पर मीटर को बंद करनके कहीं बिजली का उपयोग तो नहीं किया जा रहा है। यदि अस्थायी कनेक्शन दिया गया था तो उसे समय समाप्त होने के बाद बंद क्यों नहीं किया गया। वह कई वर्षो से कंपनी के जीवित कनेक्शन के रूप में क्यों दर्ज है। यह जांच का विषय है कि अस्थायी कनेक्शनों के नाम पर शहरी क्षेत्र के कितने कनेक्शन चल रहे हैं। यही हाल क्रेशर प्लांटों का है जहां पर 95 प्रतिशत क्रेशर प्लांटों मे प्रतिमाह लाखों की बिजली चोरी की जा रही है। जहां कभी कोई देखने नहीं जा रहा है। कुल मिलाकर सब अपना स्वार्थ सिद्धकर बिजली चोरी को बढावा दे रहे हैं।

कहां गया एक परिसर एक कनेक्शन का फार्मूला:- एक समय पर शासन स्तर से निर्णय लिया गया था कि एक एक परिसर में एक ही कनेक्शन दिया जायेगा। यहां देखा जा सकता है कि कई बडे बडे भवनों में एक से अधिक कनेक्शन लिये जाते हैं जहां कई मीटरों को बंद कर उनका उपयोग किया जाता है उनकी बिलिंग भी फिक्स दर पर होती रहती है जबकि उपयोग अधिक मात्रा में किया जाता है। जब शिकायतें होती हैं तो खुलासा होता है अन्यथा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मिलकर ऐसे उपभोकताओं से वसूली करते रहते हैं जबकि बिजली कंपनी को चूना लगता रहता है।

वानिकी गतिविधियों की कार्यशाला का आयोजन

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 13 अक्टूबर। दक्षिण वनमंडल परिक्षेत्र अंतर्गत वन परिक्षेत्र सलेहा में वनमंडल अधिकारी के निर्देशानुसार फॉरेस्ट मॉनिटरिंग एप्लीकेशन के संचालन संबंधी एकदिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें वन परिक्षेत्र सलेहा एवं कल्दा के समस्त वन कर्मचारी उपस्थित रहे।

उक्त कार्यशाला में वानिकी गतिविधियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए कार्यशाला में वन कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया, एक दिवसीय कार्यशाला में हरीश आड़तिया सीईओ पगअर्च टेक्नोलॉजी कंपनी नागपुर, निखिल तुपकर डायरेक्टर, अखिल ठाकरे ऑपरेशन प्रमुख द्वारा प्रशिक्षण वन कर्मचारियों को दिया गया। इस दौरान वन परिक्षेत्राधिकारी सलेहा जीतू सिंह बघेल सहित वन स्टाप उपस्थित रहा।

दीपावली को लेकर सफाई एवं पुताई अभियान जारी, कबाड़ियों की पौ बारह

नवभारत न्यूज

पन्ना 13 अक्टूबर। हिंदुओं का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार आने का सभी को इंतजार रहता है। इस त्यौहार में कम से कम 15 दिनों तक घरों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर सफाई एवं पुताई एवं रंगरोगन का कार्य चलता है। इस समय लगभग सभी घरों में सफाई पुताई का कार्य जोरों से चल रहा है। बाजार में भी त्यौंहार को लेकर रौनक दिखाई देने लगी है। इसके अलावा व्यापारी भी अपने अपने प्रतिष्ठानों में दिनभर ग्राहकी के बाद रात के समय प्रतिष्ठानों की साफ सफाई के साथ रंगाई पुताई का कार्य भी कर रहे हैं। पर्व को लेकर चहुंओर उत्सुकता दिखाई दे रही है। इन दिनों सबसे ज्यादा बिक्री घरों, प्रतिष्ठान व ऑफिसों की रंगाई पुताई में लगने वाले कलर, पेंट, डिस्टेंपर तथा अन्य सामग्री के विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर ग्राहकी देखी जा रही है। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक्स, सराफा, दो पहिया, चारपहिया, कपड़ा, मोबाइल, मिठाई प्रतिष्ठान सहित अन्य दुकानों का बाजार भी धीरे धीरे गुलजार होने लगा है।

दीपावली के चलते कबाड़ खरीदने वाले हुए मालामाल:- इस समय दीपावली के चलते घरों में रखा कबाड़ लोहा, कांच, रद्दी कागज अखबार आदि की बिक्री अधिकांश लोग कर रहे हैं। जिस कारण कबाड़ियों की चांदी कट रही है। यदि आपको कोई पुरानी सामग्री खरीदना हो या फिर मोटर साइकिल या किसी कार, ट्रक के टायर इंजन व अन्य उपकरण खरीदना हो तो कबाड़ियों के पास जाने भर की देर है सब कुछ मिल जाएगा। जहां पर अच्छी से अच्छी सामग्री आपको कम दामों में प्राप्त हो जाएगी। इतना सब कुछ इन कबाड़ियों के पास कबाड़खाने में उपलब्ध है तो पुलिस को अब तक पता क्यों नहीं है। पन्ना में इन दिनों लगभग आधा दर्जन से ज्यादा कबाड़ी अपनी-अपनी कबाड़ की दुकान व गोदाम लेकर जहां तहां बैठे है। और रोजाना ही हजारों रूपये का कबाड़ इनके द्वारा ठिकाने लगाया जाता है। माना जाता है कि चोरी के लिए तो कबाड़ी भगवान के समान है क्योंकि चोर चोरी करने के बाद बेशकीमती सामानों को भी इन कबाड़ियों के यहां सस्ते दामों में बेच दिया जाता है।साइकिल, दुपहिया वाहन, चार पहिया वाहन इन कबाड़खाने को तो सही सलामत पहुंचते है लेकिन कुछ ही घंटों में इन वाहनों के अस्थि-पंजर कबाड़ में तब्दील हो जाते है। वहीं शासकीय व सार्वजनिक भवनों से चुरायी गयी सामग्री भी यहां बखूबी ठिकाने लगायी जा सकती है।

आजकल कबाड़ी भी इतने होशियार हो गए है कि अपना गोदाम या तो हाईवे पर बनाते है या फिर रेल पटरियों के किनारे ताकि शासकीय सम्पत्तियों को आसानी से ठिकाने लगा सकें। पुलिस प्रशासन यदि इन कबाड़ियों के गोदामों व उनके यहां छापामार कार्रवाई करें तो कई मामले उजागर हो सकते है। क्योंकि कम पूंजी से अपना धंधा करने वाले छोटे कबाड़ी इन दिनों प्रतिदिन लखपति बनते जा रहे है। जानकार लोग कहते है कि कबाड़ी आयकर की चोरी भी करते है और पुलिस प्रशासन की नजरों से बचते नजर आते है। नगर व आसपास के क्षेत्रों में आए दिन वाहनों की चोरी की खबरें प्रकाश में आती रहती है। ऐसी स्थिति में पुलिस की नजर इन कबाड़ियों पर क्यों नहीं पड़ती पुलिस का खुफिया तंत्र भी इस मामले में मूक दर्शक बना रहता है।

भाव बढ़े, मजदूरी भी

इस दीपावली पर रंग पेंट में भी ब्राण्डेड कम्पनियां आ गई है। इनमें प्रतिस्पर्धा के चलते भावों में अधिक उछाल तो नहीं है, लेकिन पिछले वर्ष के मुकाबले में 10 से 20 फीसदी तक भाव तेज हुए हैं वहीं बदलते दौर में पुट्टी का चलन ज्यादा हो रहा है जिसमें बाजार में सर्वाधिक मांग पुट्टी व व्हाइट सीमेंट की हो रही है इसके अलावा कलई छोड़कर डिस्टैम्पर अपनाने वाले अधिक होने के कारण बाजार में डिस्टेम्पर की प्रति बाल्टी में 100 रूपये तक की तेजी आई है। कलई, चूना की मांग कम है, लेकिन इसके भाव भी बीते वर्ष की अपेक्षा 20 प्रतिशत बढ़े हैं। इसी तरह रंगाई पुताई के लिए मजदूरी महंगी हो गई है हालांकि रंगाई पुताई का कार्य पूरे घर या दुकान को ठेके पर दिया जाता है, लेकिन इस तरह से भी प्रति मजदूर 400 -500 रूपए प्रतिदिन पड रहा है।